Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12** ] [ Total No. of Printed Pages : **4**

# A–153

## B.A. (Part–I) Examination, 2022

## RAJASTHANI

Paper - II

## (आधुनिक राजस्थानी गद्य)

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**(सवालां रा जवाब राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सकै।)**

**खण्ड–अ** **(अंक : 2 × 10 = 20)**

**नोट** :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **50** सबद। हरेक सवाल 2 अंक रो है।

**खण्ड–ब** **(अंक : 8 × 5 = 40)**

**नोट** :– सात मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **200** सबद। हरेक सवाल 8 अंक रो है।

**खण्ड–स** **(अंक : 20 × 2 = 40)**

**नोट** :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **500** सबद। हरेक सवाल 20 अंक रो है।

**खण्ड–अ**

1. नीचै लिख्या सवालां रा उत्तर लिखो :

   (i) 'दिगम्बरां री बस्ती में गाभैवाळो कठै' कैबत रो अरथ उघाड़ो।

   (ii) कहाणीकार मनोहरसिंह राठौड़ री किणी दो कहाणियां रा सिरैनाम बताओ।

(iii) राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी री मासिक पत्रिका रो नाम बताओ।

(iv) 'सूरज री मौत' कहाणी रै प्रधान पात्र हुसैनियै री मौत किण कारण सूं हुई ?

(v) 'थे बारै जावो' कहाणी रै कथानायक नैं बारै जावण रो कुण कैवै ?

(vi) राजस्थानी बात साहित्य री दीठ सूं बताओ कै जिण भाँत फौज में नगारो हुवै, बियां 'बात' में काईं हुवै ?

(vii) पातसाह हुमायूं नैं राखी भेजण वाळी महाराणी रो नाम बताओ।

(viii) पद्मश्री लक्ष्मीकुमारी चूंडावत 'जापान' देस रो असली नाम काईं बतायो है ?

(ix) डॉ. मनोहर शर्मा कृत 'रामजी भला दिन देवै' रचना री विधा कुणसी है ?

(x) राजस्थानी साहित्य रै किणी दो नाटककारां अर वांरी अेक-अेक नाट्यकृति रो सिरैनाम लिखो।

**खण्ड–ब**

2. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

आँख्यां में नींद नीं ही। बा पसवाड़ा घणा फोर्‌या पण दिमाग में चैन नीं हो। बा ऊभी हुय'र बत्ती जगाई पण बीं नैं कीं सूझै नीं हो कै बा अब के करै। बा अठीनैं–बठीनैं डिगतै पगां नैं थाम्या। थोड़ी ताळ पछै बाबू काळीचरण रै पलंग कनै आय'र ऊभी हुयगी। बीजळी री धवळी रोसणी में बाबू री उघाड़ी पीठ नैं देख'र बीं रै दिमाग में पाछली रोमानी बातां घूमण लागी। बीं रै हिवड़ै में अेक सरणाटै सूं लकीर सी खिंचीजगी। बा पलंग पर आडी हुय'र बारै मगरां पर हळवा-हळवा हाथ फेरै लागी। बींनैं आ लागी कै अब बै जागैला अर बींनैं घणो-घणो प्यार करैला।

3. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

माफी बगसायां थूं सामी बत्तो इतरैला। अेकर सावळ भारणी उतर जावै तो पछै केई दिनां ताईं निरांत। निसरड़ा रै लाज सरम रो वास्तो ई नीं। गांव रो भाईपो दोखियां सूं ई भूंडो। वांरो बख लागै तो चोखळो छुडाय दै। घर वाळां री सै आस थारै माथै अटक्योड़ी। ज्यूं-त्यूं उकीलात पास करलै तो घरवाळां रा फोड़ा

भरै पड़ै। नींतर घरवाळां री आस माथै बीजळी पड़ैला जको तो पड़ैला ई पण थारी गत भी भूंडी बिगड़ैला। वा ई कस्सी, वो ई सूड़। वा ई झाड़बढ़, वा ई कूतर। वो ई हळ, पै ई ऊमरा। वो ई तावड़ो, वो ई परसेवो। वै ई लूवां अर वा ई छान। सावळ मन लगाय नीं भण्यो तो थारा कांटा थारै ई भागैला।

4. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

भारत रा कलाकार! इण तरै रा हजारूं ध्येय थारै अमृत-स्पर्श री आस में थारै च्यारूंमेर ऊभा है। थारै सारू ध्येय-भगवान आपरी किरणां लियां ऊभा है। उणां रै खातर थांरो दरवाजो पूरी तरियां खोल दो। थांरा अंधारा, माख्यां अर माछरां सूं भार्‌या घरां में प्रकाश नैं आवण तो दो। कला नैं जे ध्येय री अभिव्यक्ति रो साधन नीं बसाणो तो समाज में कला री कीमत ई को रैवै नीं। कला देवी नैं वासना अर विकारां रै मिंदर में ना बैठण दो।

5. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

इण कयामत में लोग-लुगाइयां, टाबर-टीकरां री दुरदसा हुई उणरी बात तो कैवणजोग ई कोयनीं। आँखियां देखियोड़ा हाल, बठैवाळा सुणाय रैया हा। म्हारै में तो सुणबा री हिम्मत ई कोयनीं हीं, काळजो कांप-कांप जातो। लपटां आभै रै अड़ री ही, मिनख बरळाय रैया, टाबर चरळाय रैया, कुण किणरी सुणै, कुण किणनैं बचावै। मरिया-बलिया! लपटां में भसम! इण भयंकर कांड री याद सूं इज मिनख री चेतना परी जावै। दो लाख चाळीस हजार लोग-लुगाई अर टाबर बरळावता थका जीवता बळ गया। इक्कावन हजार बुरी तरह घायल हुग्या। अेक लाख आसरै मामूली घायल हुया।

6. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

जुग री बात चालगी जद कैणो पड़ै, जुग तो जुग ही है; जित्तो सरावो थोड़ो, जित्तो थुथकारो नाखो कम; बस, कसर इत्ती ई है कै आँधो है, बाकी चमत्कार नैं नमस्कार तो करणो ई पडै। सिनेमा में सागै बड्‌या, जित्तै तो घर बस्योड़ो, बारै नीकळ्‌यां पछै माड़ी-सी ठणगी, तलाक; घर इत्तो सांकड़ो हुयग्यो कै दोनूं दोरा-दोरा ही को मावै नीं पण मौको पड्‌यां भाषण तो सह-अस्तित्व रा छंटसी। टेम ई लेक्चर री है अबार।

7. 'राजीनांवो' कहाणी रै कथानक नैं खुद रै सबदां मांडतां इण कहाणी रै संदेस नैं उजागर करो।

8. श्री गोपालकृष्ण कल्ला रै आलेख 'राजस्थानी काव्य : अेक निरख अर अेक परख' रो सार बतावतां इणरै मूळ प्रतिपाद्‌य री जाणकारी कराओ।

## खण्ड–स

9. 'आधुनिक राजस्थानी गद्य' री विकास-जात्रा माथै अेक आलोचनात्मक निबंध लिखो।

10. यादवेन्द्र शर्मा 'चंद्र' री कहाणी 'काच रो चिलको' री कथानायिका 'गवरली' रो चरित्र-चित्रण करतां नारी चेतना री दीठ सूं इण कहाणी रो मोल आंको।

11. आधुनिक राजस्थानी साहित्य सारू 'शिवचंद भरतिया' रै अवदान नैं विगतवार समझाओ।

12. 'अणोर अणीयान, महतो महियान' आलेख रो सार खुद रै सबदां मांडो।